प्र.१ निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :- (१६)

क) "ले जा, खूब खा और आशीर्वाद दे । जिसकी कमाई है, वह तो मर गई । मगर तेरा आशीर्वाद उसे जरुर पहुँचेगा । रोएँ - रोएँ से आशीर्वाद दे, बड़ी गाढी कमाई के पैसे हैं। "

अथवा

"वह जीवन अब उन्हें एक खोई निधि-सा प्रतीत हुआ। उन्हें लगा कि वह जिंदगी द्वारा ठगे गए हैं । उन्होंने जो कुछ चाहा, उसमें से उन्हें एक बूँद भी न मिली।"

ख) "जीता है और शान से जीता है - काहे वास्ते, किस उद्देश्य से ? कोई नहीं जानता । मगर कुछ बड़ी बात है । स्वार्थ के दायरे से बाहर की बात है ।"

अथवा

"मैंने अपने पिता को बुरी तरह बीमार देखा, घर में चारों ओर निराशा ! .... पिता का मरना आई का पछाड़ खा-खा कर रोना मुझें मजे में याद है यद्यपि तब मैं बहुत छोटा, रोगीला, बेदम जैसा बालक था । "

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (२४)

च) ''अपना-अपना भाग्य' कहानी का पूरा ढ़ाँचा सभ्य समाज की नैतिकता पर प्रश्न-चिन्ह लगाता है।' कहानी के माध्यम से वाक्य की पुष्टि कीजिए ।

अथवा

'दोपहर का भोजन' कहानी के माध्यम से सिध्देश्वरी की विवशता को अपने शब्दों में समझाइए ।

छ) 'डायरी से' निबंध से मिलने वाली सीख को अपने शब्दों मे लिखिए।

अथवा

'माँ भारती' निबंध के माध्यम से रामवृक्ष बेनीपुरी जी की आत्मकथा के अंश पर प्रकाश डालिए।

प्र.३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (१०)

ग) 'गर्मियों के दिन' की कथावस्तु।

अथवा

घ) गौरा गाय की मृत्यू की घटना।

अथवा

राजर्षि का भाषा प्रेम।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : (१०)

१. बुधिया के कफ़न के लिए कितने रुपये इकट्ठा हुए थे ?

२. 'अपना अपना भाग्य' कहानी का लड़का कितने वर्ष का था ?

३. 'वापसी' कहानी के रचनाकार का नाम लिखिए ।

४. 'उमस' कहानी के मुख्य नारी पात्र का नाम लिखिए ।

५. उदयप्रकाश की कहानी का नाम लिखिए ।

६. भारत के पहले राष्ट्रपति का नाम लिखिए ।

७. 'कुटज' के रचनाकार का नाम लिखिए।

८. 'धरती और धान' किस विधा की रचना है ?

९. टण्डन जी किस कविता के हिमायती थे ?

१०. महादेवी वर्मा की रचना का नाम लिखिए ।

* * * * *